भारतेंदु युग के साहित्यकार (1850-1900, कालक्रमानुसार)

1813-1931 ई. गंगाप्रसाद अग्निहोत्री

1822-1884 ई. ठाकुर बेनी सिंह परसेहंडी

1823-1895 ई. राजा शिवप्रसाद

1826-1896 ई. राजा लक्ष्मण सिंह

1833-1878 ई. शिवसिंह सेंगर शिवसिंह सरोज का पहला प्रकाशन सन् 1878 ई. में हुआ। 1883 में इसका तृतीय संस्करण प्रकाशित हुआ।

1833-1860 ई. गोपालचन्द्र गिरिधरदास

1841- ई. कृष्णजीवन लछिराम

1844-1914 ई. बालकृष्ण भट्ट

1847-1923 ई. मुंशी देवीप्रसाद

1847-1902 ई. बाबू तोताराम

1848- ई. दामोदर शास्त्री सप्रे (काशी)

1850- 1885 ई. भारतेंदु हरिश्चंद्र (9 सितम्र 1850 ई.)

1850-1891 ई. काशीनाथ खत्री

1850-1912 ई. मोहनलाल विष्णु पण्डया

1850- ई. रामद्विज

1851-1887 ई. लाला श्रीनिवास दास

1855-1922 ई. बद्रीनारायण चौधरी प्रेमघन (मिर्जापुर)

1855- ई. विनायक राव

1856-1894 ई. पं. प्रताप नारायण मिश्र

1857-1899 ई. ठाकुर जगमोहन सिंह

1858-1900 ई. अम्बिकादत्त व्यास

1858-1937 ई. लाला सीताराम

1858-1932 ई. नवनीत चौबे

1859-1928 ई. श्रीधर पाठक

1859-1925 ई. गोस्वामी राधाचरण

1959-1906 ई. रामकृष्ण वर्मा 'बलवीर'

1860-1910 ई. सुधाकर द्विवेदी

1861-1913 ई. देवकीनन्दन खत्री

1863-1931 ई. लज्जाराम मेहता

1865-1947 अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध (15अप्रैल, 1865-16 मार्च, 1947)

1865-1907 ई. राधाकृष्ण दास

1865-1932 ई. गोस्वामी किशोरीलाल

1865-1907 ई. बालमुकुन्द गुप्त

1865 ई. रावकृष्णदेव शरण 'गोप'

1865-1907 ई. बालमुकुंद गुप्त

1866 जगन्नथदास रत्नाकर (1866-22 जून 1932)

1866-1946 ई. गोपालराम गहमरी

1868-1915 ई. राय देवीप्रसाद पूर्ण

1875- ई. कमताप्रसाद गुरु (1875-1947 ई॰)

1877-1895 मन्नालाल द्विज (1877-1895)